A-0228

Total Pages : 5 **Roll No. .....**

MASL–602

M.A. SANSKRIT (MASL)

(गद्य एवं पद्य काव्य भाग-01)

3rd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकवि दण्डी विरचित दशकुमारचरितम् के काव्यसौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी **एक** का ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) अहमपि सबहुमानं मन्त्रिदत्तानि बहुलतुरंगमोपेतं चतुरसारथिं रथं च दृढ़तरं कवचं मदनरूपं चापं च विविधबाणपूर्णै तूणीरद्वयं रणसमुचितान्यायुधानि गृहीत्वा युद्धसंद्धोक्तं मन्त्रिणमन्वगाम् परस्परमत्सरण तुमुलसंगरकरमुभयसैन्यमतिकम्य समुल्लसभ्दुजाटोपेन बाणवर्षे तदंगे विमुञ्चन्नरातीन्प्राहरम् ततोऽतिरयतुरंगमं मद्रथं तन्निकटं नीत्वा शीघ्रत्नङनोपततदीयरथोऽहमराते: शिर: कर्तनमकार्षम् तस्मिनपतिते तदवशिष्टसैनिकेषु पलायितेषु नाना-विदहयगजादिवस्तुजातमादाय परमानन्दसंनतो मन्त्री ममानेकविधा संभावनामकार्षित् मानपालप्रेषितात्तदनुचरादेनमखिलमुदन्तजातमाकर्ण्य संतुष्टमना राजाभ्युग्दतो मदीयपराक्रमे विस्मयमान: समहोत्सवममात्याबान्धवानुमत्या शुभदिने निजतनयां मह्यमदात्।

(ख) तत्र पुरतो भयंकरज्वालाकुलहुतभुगवगाहनसाहसिंका मुकुलितान्जलिपुटां वनितां कांचिदवलोक्य स संभ्रममनलादपनीय कूजन्ता वृद्धया सह

मत्पितुरभ्यर्णमभिगमय्यस्थविरामवोचम्वृद्धे भवत्यौ कुत्रत्ये कान्तारे निमित्तेन केन दुरवस्थानुभूयते कथ्याताम्' इति सा सगद्ग्दमवादीत्–पुत्र, कालयवनद्वीपे कालगुप्तनाम्नो वणिजः कस्यचिदेषा सुता सुवृता नाम रत्नोद्भवेन निजकान्तेनागच्छन्ती जलधौ मग्ने प्रहवणे निजधात्र्या मया सह फलक्रमेकमवलम्ब्य दैवयोगेन कूलमुपेतासन्नप्रसवसमया कस्यांचिदटव्यामात्मजमसूत मम तु मन्दभाग्यतया बाले वनमातंगेन गृहीते मद्द्वितीया परिभ्रमन्ती षोडशवर्षान्तरं भर्भृपुत्रसंगमो भविष्यति 'इति सिद्धवाक्यविश्वासदेकेस्मिन्पुण्याश्रमे तावन्तं समयं नीत्वा शोकमपारं सोढुमक्षमा समुज्जवलिते वैश्ववानरे शरीरमाहुतीकर्तुमुद्युक्तासीत् इति।

3. महाकवि दण्डी विरचित दशकुमारचरितं का कथासार लिखिए।

4. कवि बाणभट्ट के कर्तृत्व एवं व्यक्तित्व की समीक्षा कीजिए।

अथवा

दशकुमारचारितम् के चतुर्थ उच्छवास् में वर्णित कथा प्रसंग का वर्णन कीजिए।

5. संस्कृत गद्यकाव्य की परंपरा का विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश की ससंदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

राजवाहनो मंगलसूचकं शुभशकुनं विलोकय देशं कंचिदतिकम्य विन्ध्याटवीमध्यमशित्। तत्र हेतिहतिकिणाङ्ककालायसकर्कशकायं यज्ञोपवीतेनानुमेयविप्रभावं व्यक्तकिरातप्रभावं लोचनपरुषं कमपि पुरुषं ददर्श। तेन विहितपूजनो राजवाहनोऽभाषत– 'ननु मानव, जनसंगरहिते मृगहिते घोरप्रचारे कान्तारे विन्ध्याटवीमध्ये भवानेकाकी किमिति निवसति।

2. निम्नलिखित गद्यांश ससंदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

अध्वश्रमखिन्नेन मया तत्र निरवेशि निद्रासुखम। तदनु पश्चान्निगडितबाहुयुगलः स भूसुरः कशाघातचिन्हित–गात्रोऽनेकनैस्त्रिंशिकानुयातोऽभ्येत्य माम् 'असौ दस्युः' इत्यदर्शयत्। परित्यक्तभूसूरा राजभटारत्नावाप्रिकारं मदुक्तमनाकर्ण्य भयरहितं मा गाढ़ नियम्य रज्जजुभिरानीय कारागारम् 'एते तव सखायः' इति निगडितान्काश्चिन्निर्दिष्टवन्तो मामपि निगडितचरणयुगलमकार्षुः।

3. दशकुमारचरितम् की नायिका का चरित्र कीजिए।

4. दशकुमारचरितम् के द्वितीय उच्छवास का कथासार लिखिए।

5. महाकवि बाणभट्ट का परिचय देते हुए उनकी रचना की संक्षिप्त समीक्षा कीजिए।

6. दशकुमारचरितम् में वर्णित यात्रा वृतांत का वर्णन कीजिए।

7. दशकुमारचरितम् के तृतीय उच्छवास का कथासार लिखिए।

8. कवि सुबन्धु का परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का वर्णन कीजिए।

****